कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)
Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273
Accredited by NAAC with Grade "B"

दिनांक 14.04.2023

शासकीय महाविद्यालय छुरिया में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन

आज दिनांक 14.04.2023 को रानी सुर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया में प्राचार्य, डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) के दिशा निर्देशन एवं IQAC प्रभारी श्री विनय चौरे के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान एवं हिन्दी विभाग के तत्वाधान में डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य के द्वारा बाबा साहेब अंबेडकर जी के तैलचित्र पर सुमन अर्पित दीप प्रज्जवलित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक लेखक, अर्थशास्त्री, कानून विशेषज्ञ, बहुभाषाविद, धर्मदर्शन के विद्वान, संविधान निर्माता और एक समाज सुधारक थे, जिन्होने भारत में छूआछूत और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि अस्पृश्यता को हटाए बिना राष्ट्र की प्रगति नही हो सकती है। 14 अप्रैल का दिन पूरे भारत में आंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। वह भारत दलितो व पिछड़े वर्गों के मसीहा थे। यही लोग उन्हे बाबा साहेब कहकर बुलाते थे। बाबा साहेब ने भारत के संविधान निर्माण में सबसे अहम् भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हे संविधान का जनक भी कहा जाता है। उन्होने हमेशा मजदूर वर्ग व महिलाओं के अधिकारो का भी समर्थन किया। बाबा साहेब कहा करते थे कि वह ऐसे धर्म को मानते है जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है, उनका मानना था कि जीवन लम्बा होने के बजाय महान होना चाहिए और 14 अक्टूबर 1956 को उन्होने अपने कई अनुवायिवो के साथ बौद्ध धर्म को ग्रहण किया क्योंकि यही एक धर्म है जो मानवता का पाठ पढ़ाता है। सन् 1990 में उन्हे मरणोपरांत भारत सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया गया।

IQAC प्रभारी श्री विनय चौरे ने अपने उद्बोधन में आंबेडकर जी के जीवन प्रकाश डाला उन्होने कहा कि भारत को संविधान देने वाले भीमराव अंबेडकर जिसे लोग अछूत और बेहद नि चला वर्ग मानते थे। बचपन में अंबेडकर के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया गया। वे पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद लगातार अपने विरूद्ध हो रहे इस अलगाव और भेदभाव से व्यथित रहे तथा अपने को अपमानित समझा। अतः उन्होने बौद्ध धर्म को अपनाया। इन्होंने भारत जैसे विविधता से भरे देश के लिए संविधान निर्माण व पिछड़े वर्गों में उत्थान के लिए किये गये कार्यों के कारण बाबा साहेब का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं।

इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के अधिकांश विद्यार्थी एवं एम.ए. हिन्दी साहित्य द्वितीय एवं चतुर्थ सेम. के विद्यार्थियों में भूषण कुमार, कु. सुमन, कु. टोमीन, खोमेश कुमार, कु. गोदावरी आदि ने बाबा साहेब पर काव्यपाठ व निबंध, भाषण प्रस्तुत किये।इस कार्यक्रम में मंच संचालन श्री ओमप्रकाश सहारे व आभार व्यक्त श्री सी. आर. यादव द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्रमुख डॉ. राजेन्द्र शर्मा व डॉ. एच. एस. भाटिया, श्री उष्यंत कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार उमरिया, प्रीतिबाला ठाकुर, दीपिका ध्रुवे तथा अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. सुषमा चौरे (नेताम)
प्राचार्य